

SHRI BALBIR DUTT

Shri Balbir Dutt is the longest serving journalist of Bihar — Jharkhand. He started his career in early Sixties and served as Editor for over half a century. At present he is a free-lance journalist and one of the directors of Hindusthan Samachar, multi-lingual national news agency.

2. Born on May 31, 1935 in Rawalpindi (now in Pakistan), he received his education in Rawalpindi, Rishikesh, Ambala Cantt and Ranchi. He launched RANCHI EXPRESS, Hindi weekly in 1963 from Ranchi, which was then the second capital of Bihar, and now the capital of Jharkhand state. This weekly newspaper was subsequently converted into a daily newspaper. This newspaper is the oldest daily of Jharkhand and at one time was the largest circulated daily of the region, Shri Dutt led its editorial team till recently. He also founded Hindi daily DESHPRANand served as Managing Director of JAIMATRIBHUMI, Hindi Weekly.

3. Shri Dutt also served as Chhotanagpur regional correspondent and occasional columnist of the daily, THE MOTHERLAND and economic daily THE FINANCIAL EXPRESS. During his journalistic career of over 50 years he contributed over 6000 editorials and commentaries and more than 2000 articles and news-stories. Some of his articles have been published in Research Journals.

4. Shri Dutt is the founder member of the Department of Journalism and Mass Communication (estd. in 1987) of Ranchi University and has been its Standing Advisor and Guest Lecturer for over a quarter of a century. These two institutions, RANCHI EXPRESS newspaper and Journalism Department of the Ranchi University, became the nursery of young journalists. A large number of them are serving in print and electronic media all over the country.

5. Shri Dutt is the member of EDITORS GUILD OF INDIA. He was the national executive member of SOUTH ASIA FREE MEDIA ASSOCIATION, a mainstream body of prominent media persons across South Asia. He has also been a member of national executive committee of AKHIL BHARTIYA SAH1TYA PAR1SHAD. Shri Dutt is the President of Ranchi Press Club and Ranchi Citizens' Council.

6. Shri Dutt is also author of a number of books which include much talked about books like KAHAN1 JHARKHAND AANDOLAN KI, SAFARNAMA PAKISTANand BIOGRAPHY OF JAIPAL SINGH, founder of the Jharkhand movement. Many other books on subjects like Partition of India, Pakistan, Media, Emergency and Jharkhand etc are under preparation.

7. During his journalistic career Shri Dutt got opportunities to travel across India and many other countries of the world including Britain, France, Netherlands, Luxembourg, Denmark, Belgium, Germany, Switzerland, Italy, Nepal, Pakistan and Singapore. During these visits, he came across the diverse cultures and civilizations of the mankind which made a big impact on his writings.

8. Shri Dutt has been honoured with over a dozen prestigious awards which include Life Time Achievement Award (Govt. of Jharkhand) 2011, National Journalism Award (Rashtriya Patrakarita Kalyan Nyaas) 2008, Deshratna Dr. Rajendra Prasad Patrakarita Shikhar Samman 2011, Jharkhand Gaurav Samman (Sai Nath University, Agra) 2013 and Mahanayak Sharda Samman 2015.



श्री बलबीर दत्त

श्री बलबीर दत्त बिहार-झारखण्ड के सबसे लम्बे समय तक सेवारत पत्रकार हैं। आपने 60 के दशक के प्रारंभिक वर्षों में सम्पादक के रूप में अपने कैरियर की शुरुआत की एवं विगत 50 वर्ष से इस क्षेत्र में कार्यरत हैं। वर्तमान में आप मुक्त पत्रकार एवं बहु-भाषी राष्ट्रीय न्यूज एजेंसी हिन्दुस्तान समाचार के निदेशकों में एक हैं।

2. आपका जन्म 31 मई, 1935 को रावलपिंडी (अब पाकिस्तान) में हुआ था। आपने अपनी शिक्षा रावलपिंडी, ऋषिकेश, अम्बाला एवं रांची में प्राप्त की। आपने तत्कालीन बिहार की दूसरी राजधानी एवं अब झारखण्ड राज्य की राजधानी के रूप में प्रसिद्ध रांची से वर्ष 1963 सेही हिन्दी साप्ताहिक रांचीए क्सप्रेस की शुरुआत की। तुदपरान्त, यह हिन्दी साप्ताहिक दैनिक समाचार पत्र के रूप में प्रतिष्ठित हुआ। यह समाचार पत्र झारखण्ड का सबसे पुराना दैनिक समाचार पत्र है एवं एक समय में इस क्षेत्र में यह सर्वाधिक संख्या में परिचालित दैनिक पत्र था। आपने हाल के वर्षों तक इसकी सम्पादकीय टीम का नेतृत्व किया। आपने हिंदी दैनिक देशप्राण की भी स्थापना की और जय मातृभूमि नामक हिंदी साप्ताहिक के प्रबंध निदेशक के रूप में अपनी सेवा दी है।

3. आपने द मदरलैंड नामक दैनिक समाचार पत्र एवं द फॉयनेंशियल एक्सप्रेस नाम आर्थिक दैनिक समाचार पत्र में छोटानागपुर क्षेत्रीय संवाददाता एवं समय-समय पर स्तम्भकार के रूप में भी सेवा की है। 50 वर्षों से भी अधिक की अवधि के अपनी पत्रकारिता के कैरियर के दौरान आपने 6000 सम्पादकियों एवं कमेन्टरीज तथा 2000 से अधिक लेख सामग्री एवं न्यूज स्टोरीज़ का योगदान किया है। आपके कुछ आर्टिकल शोध-पत्र जर्नलों में भी प्रकाशित हुए हैं।

4. आप रांची यूनिवर्सिटी (वर्ष 1987 में स्थापित) के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के संस्थापक सदस्य हैं एवं 25 वर्षों से अधिक समय से स्टैंडिंग एजवाइजर एवं गेस्ट लेक्चरर के रूप में इससे जुड़े हुए हैं। रांची एक्सप्रेस समाचार पत्र एवं रांची विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग ऐसे दो संस्थान हैं, जिसने युवा पत्रकारों की नर्सरी के रूप में प्रतिष्ठा अर्जित की है। इन पत्रकारों में से अधिकांश सम्पूर्ण देश में प्रिंट एवं इलेक्टॉनिक मीडिया में सेवारत हैं।

5. आप भारतीय एडिटर्स गिल्ड के सदस्य हैं। आप पूरे दक्षिण एशिया के प्रख्यात मीडिया कार्मिकों की मुख्यधारा निकाय, साउथ एशिया फ्री मीडिया एसोसिएशन के राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य हैं। आप अखिल भारतीय साहित्य परिषद के राष्ट्रीय कार्यकारी समिति के सदस्य भी रहे हैं। आप रांची प्रेस क्लब एवं रांची सिटीजन्स काउंसिल के अध्यक्ष हैं।

6. आप कई एक प्रसिद्ध पुस्तकों के लेखक हैं – जैसे कहानी झारखण्ड आंदोलन की, सफरनामा पाकिस्तान एवं झारखण्ड आंदोलन के संस्थापक, जयपाल सिंह की जीवनी विशेष उल्लेखनीय है। भारत-पाकिस्तान विभाजन, पाकिस्तान, मीडिया, आपातकाल एवं झारखण्ड जैसे विषयों पर कई अन्य पुस्तकें अभी लेखन प्रक्रिया में हैं।

7. अपने पत्रकारिता कैरियर के दौरान, आपको सम्पूर्ण भारत एवं ब्रिटेन, फ्रांस, नीदरलैंड्स, लक्जमबर्ग, डेनमार्क, बेल्जियम, जर्मनी, स्विट्ज़रलैंड, इटली, नेपाल, पाकिस्तान एवं सिंगापुर जैसे विश्व के अन्य देशों की यात्रा करने का अवसर प्राप्त हुआ। इन यात्राओं के दौरान आपको विभिन्न संस्कृतियों एवं सभ्यताओं के साथ साक्षात् होने का अवसर मिला जिसने आपके लेखन पर व्यापक प्रभाव डाला।

8. आपको दर्जन से अधिक प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है, जिनमें वर्ष 2011 में लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार (झारखंड सरकार), राष्ट्रीय पत्रकारिता पुरस्कार (राष्ट्रीय पत्रकारिता कल्याण न्यास) 2008, वर्ष 2011 में देशरत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद पत्रकारिता शिखर सम्मान, झारखण्ड गौरव सम्मान (साई नाथ विश्वविद्यालय, आगरा) 2013 एवं महानायक शारदा सम्मान, 2015 शामिल हैं।